केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 78 शुक्रवार 9 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष का हल्ला बोल

नई दिल्ली (आभा)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे विपक्षी श्इंडियाश गठबंधन के नेता गुरुवार को कनॉट प्लेस से तीन बसों में सवार होकर राजघाट पहुंचे और महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से कनॉट प्लेस स्थित 'मोएट्स' रेस्तरां में आयोजित लंच के बाद विपक्षी नेता तीन बसों में राजघाट के लिए रवाना हुए। राजघाट पहुंचने के बाद उन्होंने महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

दोपहर के भोज में खरगे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, समाजवादी पार्टी के राजीव राय एवं कई अन्य विपक्षी दलों के

नेता शामिल हुए। कनॉट प्लेस से राजघाट तक की यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता नारे लगाते और ढोल बजाते हुए आगे चल रहे थे। कुछ जगहों पर वामपंथी छात्र संगठन आइसा के कार्यकर्ता भी नारे

लगाते और डफली बजाते नजर आए। विपक्षी दल मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के साथ–साथ निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली से जुड़े अलग–अलद मुद्दों को लेकर सरकार और आयोग पर लगातार निशाना साध रहे हैं।

गठबंधन के नेता इन मुद्दों पर सरकार और निर्वाचन आयोग से जवाब मांग रहे हैं। विपक्ष के प्रदर्शन को देखते हुए ट्रैफिक पाबंदिया भी लागू कर दी गई हैं। राजघाट के आसपास ट्रैफिक पर पाबंदियां लगाई गई हैं।

एक नजर

कार की टक्कर से बुर्जुग की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती के कप्तानगंज थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर बैठे 75 साल के भगेलू राम की जान चली गई, जबकि बाइक चला रहे वंशराज गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद हाईवे देवदूत प्रमोद ओझा तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने अपनी कार से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने भगेलू राम को मृत घोषित कर दिया। वंशराज की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वंशराज अपने परिवार के भगेलू राम को बाइक पर बैठाकर पिकौरा सानी स्थित अपनी बैटरी की दुकान पर जा रहे थे।

कप्तानगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को भी जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कुपोषण से मुक्ति के लिये लिया संकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से राष्ट्रीय पोषण माह के अन्तर्गत सुपोषित बस्ती अभियान के तहत पोषण मिलन/पोषण संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभागीय प्रदर्शनी के साथ–साथ पोषण माह हेतु निर्धारित थीम के अनुसार स्टॉल लगाये गये।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का संबोधन करते हुए जनपद बस्ती को कुपोषण मुक्त किये जाने की दिशा में और अधिक मेहनत करने की अपील की। उन्होने इस दिशा में विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना की। मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल द्वारा अभियान के माध्यम से जनपद को कुपोषण मुक्त करने का संकल्प दोहराया गया।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष गौ सेवा आयोग महेश शुक्ला द्वारा अपने सम्बोधान में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा किये जा रहें कार्यो की सराहना की तथा विभिन्न संदेशो के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को समाज की दिशा बदलने में उनके द्वारा किये जा रहें प्रयासों की प्रशंसा की। विधायक हरैंया अजय सिंह द्वारा प्रदेश सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के हित में किये जा रहें कार्यो की चर्चा करते हुए आगे भी उनके सेवा को ध्यान में रखते हुए यथोचित लाभ दिलाये जाने का आश्वासन भी दिया।

गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिये मांगे आवेदन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वर्ष 2026–27 में ''गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार'' हेतु प्रस्ताव/आवेदन आमंत्रित है। उक्त जानकारी जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने दी है। उन्होने बताया कि प्रदेश में निवासरत व्यक्तियों में से कोई व्यक्ति मानवाधिकारों की रक्षा, समाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट कार्य किया हो तथा इस हेतु पूर्णतः समर्पित रहे हो, को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा गुरू गोविन्द सिंह के जन्मदिवस पर गुरू गोविन्द सिह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदान किये जाने व रू0 एक लाख का नगद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिये जाने की व्यवस्था है।

जय प्रकाश अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार मंत्री घोषित

–प्राथमिक शिक्षक संघ के अधिवेशन में शिक्षकों की भूमिका पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के क्षेत्रीय इकाई बहादुरपुर का शैक्षिकोन्नयन गोष्ठी एवं अधिवेशन नगर स्थित एक मैरिज हाल में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने कहा कि शिक्षक समाज के सम्मान के लिए मै सदैव प्रयासरत रहता हूं, शिक्षकों के लिए मेरे दरवाजे हमेशा खुले हैं। जिला संयोजक देवेन्द्र वर्मा ने कहा कि संगठन में लोकतंत्र कायम करना शिक्षकों के हक के लिए लड़ना उनका उद्देश्य है। अधिवेशन को सह संयोजक विजय प्रकाश चौधरी, इन्द्रसेन मिश्रा, महेश कुमार, राम भरत वर्मा, चंद्रभान चौरसिया, डॉ. दुर्गा प्रसाद सिंह, आदि ने संबोधित किया।

अधिवेशन के बाद ब्लॉक कार्यकारिणी का निर्वाचन पर्यवेक्षक इन्द्रसेन मिश्र और निर्वाचन अधिकारी शोभाराम वर्मा की देख रेख में संपन्न हुआ। सर्व सम्मत से जय प्रकाश चौधरी अध्यक्ष, देवेन्द्र कुमार यादव मंत्री, सुनील कुमार कोषाध्यक्ष, राजेश कुमार यादव संयुक्त मंत्री निर्वाचित हुए। अवधेश कुमार वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर राम सहाय,दिवाकर यादव,धर्मेंद्र आजाद,जवाहर लाल , सचिन यादव और अमिता सिंह यादव चुनी गई। संगठन मंत्री के रूप में राजेन्द्र प्रताप यादव, अरविन्द कुमार,और श्रीमती वंदना वर्मा निर्वाचित हुई जबकि प्रचार मंत्री रमेश कुमार, ध्रुव कुमार और श्रीमती सुशीला देवी चुनी गई। संरक्षक अंबिका पाण्डेय घोषित किए गए। जिला सह संयोजक विजय प्रकाश चौधरी ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाया।

इस अवसर पर मुनिराम वर्मा प्रभाकर, रामपाल चौधरी, के.के. वर्मा उर्फ गुड्डू, विजय प्रकाश वर्मा, ज्ञानदास चौधरी, प्रताप नारायण चौधरी, संदेश रंजन,सतीश भारती, ठाकुर प्रसाद, विपुल गुप्ता, अरविंद यादव, विजय पाल, विवेकानंद चौरसिया, आम यादव, नीरज वर्मा, विद्या यादव, मंजू देवी, दिव्या श्रीवास्तव और डॉ0 मंजू सहित सैकड़ों शिक्षक साथी उपस्थित रहे।

आप सांसद संजय सिंह ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर उठाये सवाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।हरैंया में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर सवाल उठाए। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह मामला अब केवल विपक्ष के आरोपों तक सीमित नहीं है। एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के भीतर भी विभिन्न फैसलों और प्रक्रियाओं को लेकर आपत्तियां दर्ज की गई हैं।

आप सांसद ने कहा कि रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीने में कम से कम 14 बार आयोग के विभिन्न फैसलों और प्रक्रियाओं पर आपत्ति दर्ज की। उनका आरोप है कि इन आपत्तियों के बावजूद कई फैसले किए गए और आयोग की नियमित रूप से पूरी बैठक भी नहीं हुई।

सांसद ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से जुड़े लाखों नामों को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने केंद्र सरकार पर मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव करने तथा चयन समिति से मुख्य न्यायाधीश को बाहर करने का आरोप लगाया। बताया कि पार्टी की ओर से शुक्रवार को लखनऊ में प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पार्टी की प्रमुख मांगों में चुनाव आयुक्तों की चयन प्रक्रिया में मुख्य न्यायाधीश को शामिल करना, देशभर में बैलेट पेपर से चुनाव कराना, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई और एसआईआर प्रक्रिया को पूरी तरह समाप्त करना शामिल है।

नाना पाटेकर के निधन से शोक की लहर

मुम्बई (आभा)। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार, 8 अक्टूबर को 75 साल की उम्र में निधन हो गया. गोवा स्थित अपने फ्लैट में सीने में तेज दर्द के बाद वह बेहोश मिले थे. उनके बेटे मल्हार पाटेकर के मुताबिक, सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद फ्लैट पर मेडिकल टीम भेजी

गई थी. टीम के पहुंचने पर नाना बेहोश मिले और उन्हें बचाने की कोशिश की गई. इसके बाद उन्हें मणिपाल अस्पताल ले जाया गया।मणिपाल अस्पताल में डॉक्टरों ने सुबह 5.20 बजे नाना पाटेकर को मृत घोषित कर दिया. उन्हें बचाने के लिए करीब 45 मिनट तक लगातार सीपीआर दिया गया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली. इस मामले को मेडिको–लीगल केस के तौर पर दर्ज किया गया है।

मल्टी लेवल पार्किंग व फुटपाथ व्यापारियों के लिए अस्थाई व्यापार व्यवस्था को मिली मंजूरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद में व्यापारियों की लम्बे समय से चली आ रही मांगों को लेकर महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। मल्टी लेवल पार्किंग तथा फुटपाथ व्यापारियों को अस्थाई रूप से व्यापार करने की व्यवस्था की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वीकृति प्रदान किए जाने पर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना का मोमेंटो देकर स्वागत और धन्यवाद ज्ञापित किया। आग्रह किया कि स्वीकृत मल्टी लेवल पार्किंग व फुटपाथ व्यापारियों के लिए अस्थाई व्यापार व्यवस्था के कार्य को प्राथमिकता से पूरा कराया जाय।

व्यापार मण्डल के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मण्डल अध्यक्ष हरिमूर्ति सिंह मनोज ने कहा कि जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना एवं व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के प्रयासों से व्यापारियों की महत्वपूर्ण मांगों को शासन स्तर पर सकारात्मक परिणाम मिला है। मल्टी लेवल पार्किंग की व्यवस्था होने से शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने में मदद मिलेगी, वहीं फुटपाथ व्यापारियों को अस्थाई व्यापार की व्यवस्था मिलने से उन्हें भी व्यवस्थित तरीके से रोजगार करने का अवसर मिलेगा।

–व्यापार मण्डल पदाधिकारियों ने डीएम कृतिका ज्योत्सना को किया सम्मानित

जिला अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को शासन–प्रशासन तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए व्यापार मंडल लगातार प्रयासरत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वीकृति प्रदान किए जाने पर व्यापारियों में खुशी का माहौल है।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष परमात्मा प्रसाद मद्धेशिया, जिला महामंत्री आलोक पांडे, जिला संगठन महामंत्री भरत राम अग्रहरी 'बबलू', जिला कोषाध्यक्ष महेंद्र गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष राजेश सिंह, मंडल संगठन मंत्री जितेंद्र सिंह, नगर संगठन महामंत्री प्रदीप सिंह, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष कुलदीप श्रीवास्तव तथा युवा जिला महामंत्री सत्य प्रकाश दुबे सहित पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को मोमेंटो देकर स्वागत अभिनंदन करते हुये धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि प्रशासन और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय से बस्ती के व्यापारिक क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग,सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माले) ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी बस्ती के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 'एसआईआर' और मतदाता अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चिंता जताई गई है। माले व भाकपा नेताओं ने कहा कि हाल के दिनों में निर्वाचन आयुक्तों द्वारा उठाए गए मुद्दों से निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और उसकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि मतदाता पंजीकरण, नाम हटाने और एसआईआर से जुड़े कई फैसलों पर आपत्तियां दर्ज की गई हैं। नेताओं ने कहा कि मतदाता सूची में पारदर्शिता और विकेंद्रीकरण के दावों के बीच ऐसी प्रक्रियाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को प्रभावित करती हैं।

–मांगें पूरी नहीं हुईं तो होगा वृहद आन्दोलन- का.रामलौट

राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में मांग किया गया है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाया जाए, एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए तथा मतदाता सूचियों से गलत तरीके से बाहर किए गए लोगों का मतदान अधिकार बहाल किया जाए। साथ ही निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने की मांग की गई। माले ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की मौजूदा व्यवस्था में बदलाव कर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रस्तावित चयन समिति के आधार पर नियुक्ति किए जाने की मांग भी रखी। पार्टी के अनुसार चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश को शामिल किया जाना चाहिए।

ज्ञापन देने के बाद भाकपा माले जिला प्रभारी रामलौट व भाकपा सह सचिव का.रामदयाल ने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े इन मुद्दों पर सरकार और निर्वाचन आयोग को गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं की गईं तो माले की ओर से वृहद आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन देने के बाद पार्टी के साथियो की बैठक हुई बैठक में 26 अक्टूबर को विस्तृत बैठक करने का निर्णय व माकपा के वरिष्ठ नेता का.के.के. तिवारी के आकस्मिक निधन पर दुख प्रकट कर सभी साथियो ने 2 मिनट का मौन होकर कर शोक संवेदना प्रकट किया। ज्ञापन देने वालों में भाकपा सह सचिव रामदयाल, वरिष्ठ नेता श्याम मनोहर का.राजकुमार प्रजापति का रेनूबाला, का.जवाहर प्रसाद, का.दात्रे,विनय कुमार, का.रामानंद, गौरीशंकर, सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

मांगों के समर्थन में 1100 संविदा स्वास्थ्यकर्मियों ने शुरू किया तीन दिवसीय कार्य बहिष्कार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार से उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ ने प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत संविदा कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर प्रदेश महामंत्री डा. आदित्य भारती, मण्डल अध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा, जिलाध्यक्ष डा. अजय कुमार के नेतृत्व में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर धरना देने के साथ ही तीन दिवसीय कार्य बहिष्कार शुरू किया।

प्रदेश महामंत्री डा. आदित्य भारती, मण्डल अध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि मांगो के समर्थन में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया, इसके बाद 5, 6 और 7 अक्टूबर को काला फीता बांधकर सांकेतिक विरोध किया गया। इसके बाद भी जब मांगे नहीं मानी गई तो तीन दिवसीय कार्य बहिष्कार शुरू किया गया है जो 10 अक्टूबर तक चलेगा। इसके बाद भी संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, समान कार्य–समान वेतन और सेवा सुरक्षा सहित अन्य मांगों को सरकार ने न माना तो 12 अक्टूबर को लखनऊ में प्रदर्शन किया जायेगा। बताया कि जनपद के 1100 संविदा स्वास्थ्यकर्मी कार्य बहिष्कार में हिस्सा ले रहे हैं।

संघ के प्रदेश महामंत्री डा. आदित्य भारती, मंडल अध्यक्ष डा वीके वर्मा जिलाध्यक्ष डा. अजय कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेश में एक लाख से अधिक संविदा कर्मचारी पिछले कई वर्षो से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में लगातार योगदान दे रहे हैं। जिला अस्पतालों, महिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालयों में तैनात कर्मचारी स्वास्थ्य विभाग की

–सीएमओ कार्यालय पर दिया धरनाः 12 अक्टूबर को लखनऊ में प्रदर्शन की चेतावनी

विभिन्न योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कहा कि यदि मांगों पर शासन स्तर से जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

कार्य बहिष्कार के दौरान वक्ताओं ने कहा कि कहा कि कोरोना महामारी के कठिन दौर में भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारियों ने पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं दीं। टीकाकरण अभियान, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, संचारी रोग नियंत्रण, गैर संचारी रोग नियंत्रण सहित कई राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संचालन में संविदा कर्मचारियों का योगदान अहम रहा है। ऐसे में उनकी मांगों पर सरकार तत्काल विचार करे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत लंबे समय से सेवाएं दे रहे संविदा कर्मचारियों को नियमित किया जाए। संघ का कहना है कि जब तक नियमितीकरण की प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक कर्मचारियों को समान कार्य के आधार पर सम्मानजनक वेतन दिया जाए। इसके साथ ही संविदा कर्मचारियों को छठे वेतन आयोग के आधार पर वेतन संरचना, महंगाई भत्ता, कर्मचारी भविष्य निधि, आवास भत्ता, चिकित्सा सुविधा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ उपलब्ध कराने की मांग भी की गई है।

संघ की मांगों में संविदा कर्मचारियों के लिए स्थानांतरण नीति बहाल करने, सेवाकाल के दौरान मृत्यु होने पर परिवार के पात्र सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने की नीति बनाने की मांग उठाई है। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आउटसोर्स के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों को जिला स्वास्थ्य समिति में शामिल करने और स्वास्थ्य विभाग में होने वाली नियमित भर्तियों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारियों के लिए कम से कम 25 प्रतिशत सीटों का कोटा निर्धारित करने की मांग शामिल है।

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर गुरूवार को शुरू हुये कार्य बहिष्कार के दौरान मुख्य रूप से डा. आनन्द गौरव शुक्ला, डा. राकेश कुमार, डा. प्रदीप शुक्ला, डा. जुनेद अहमद, डा. इन्द्रेश चौधरी, डा. राम प्रकाश, डा. श्रद्धा सिंह, डा. दीपिका सचान, डा. नीलम चौधरी, डा. सतीश चौधरी, डा. दिनेश सिंह कुशवाहा, डा. अजय कुमार, डा. नीरज त्रिपाठी, डा. अमिश कुमार, डा. अमित पाण्डेय, डा. राकेश कुमार, विवेक मिश्र, शशि मौली रतन पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, राजकुमार, अनीता देवी, अनुराधा सिंह, राजकुमार प्रजापति, प्रभाकर श्रीवास्तव, राघवेन्द्र त्रिपाठी, विवेक कुमार यादव, शिव भूषण श्रीवास्तव, रविन्द्र चौधरी, रीतेश कुमार सिंह, भगवान स्वरूप, कृष्ण मोहन सिंह, विजय वर्मा, मेराज अहमद, विवेकानन्द सिंह, रविन्द्र पटेल, प्रदीप यादव, विकास गौड़, जमील अहमद, उमेश श्रीवास्तव, डा. नीरज यादव, अवधेश मिश्र, अखिलेश चतुर्वेदी, पूजा गौड़ के साथ ही बड़ी संख्या में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी शामिल रहे।

भूमि पर अवैध कब्जे का आरोपः पीड़ित ने न्याय न मिलने पर दिया आन्दोलन की चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया तहसील क्षेत्र के उभाई निवासी रामशेर यादव ने अपनी जमीन पर कथित अवैध कब्जे और टीनशेड रखे जाने को लेकर प्रशासन से न्याय की गुहार लगाया है। पीड़ित का आरोप है कि कई बार अधिकारियों के चक्कर लगाने और प्रार्थना पत्र देने के बावजूद अब तक उसकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में रामशेर यादव ने कहा है कि ग्राम उभाई तप्पा रामगढ़ में स्थित गाटा संख्या 98 रकबा 0.040 हेक्टेयर भूमि, जो डीही आबादी के रूप में दर्ज है, उसमें उनके हिस्से की करीब 1/5 भूमि पर कथित रूप से अवैध कब्जा कर लिया गया है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, 29 सितंबर 2026 की रात करीब एक बजे गांव के कुछ लोगों विकास यादव, आकाश यादव पुत्रगण रामचन्दर, रामचन्दर, शिवचन्दर पुत्रगण राम बहाल आदि के द्वारा उनकी जमीन पर कब्जा कर टीनशेड रखवा दिया गया।

पीड़ित ने आरोप लगाया कि जब

उन्होने इसका विरोध किया तो उन्हें गाली–गलौज करने के साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई। उनका यह भी आरोप है कि दबंगई का हवाला देते हुए उन्हें प्रशासन और पुलिस के पास जाने से रोकने का प्रयास किया गया।

रामशेर यादव ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए उनकी भूमि से कथित कब्जा और टीनशेड हटवाने तथा संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र में उन्होंने बताया है कि इस संबंध में वह पहले भी अधिकारियों को शिकायत दे चुके हैं, लेकिन अभी तक उन्हें राहत नहीं मिली है।

रामशेर यादव का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वह आन्दोलन करने और धरने पर बैठने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने प्रशासन से मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की मांग की है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 9 अक्टूबर 2026, शुक्रवार

सम्पादकीय

नाना पाटेकरः एक युग का अंत

भारतीय सिनेमा की दुनिया में कुछ नाम ऐसे होते हैं, जिन्हें केवल अभिनेता कहना उनके व्यक्तित्व और योगदान को छोटा कर देना होता है। ऐसे कलाकार अपने अभिनय से आगे बढ़कर एक विचार, एक भावना और एक प्रेरणा बन जाते हैं। नाना पाटेकर भी भारतीय सिनेमा के ऐसे ही कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी अद्भुत अभिनय क्षमता, प्रभावशाली संवाद शैली और जमीन से जुड़े व्यक्तित्व के कारण लाखों लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई। उनका सफर केवल फिल्मों की सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि संघर्ष, मेहनत, आत्मविश्वास और कला के प्रति समर्पण की कहानी भी है।

नाना पाटेकर का नाम आते ही एक ऐसे कलाकार की छवि सामने आती है, जिसकी आवाज में गहराई है, जिसकी आंखों में भावनाओं का संसार दिखाई देता है और जिसके अभिनय में जीवन की वास्तविकता महसूस होती है। उन्होंने अपने करियर में अनेक ऐसे किरदार निभाए जो केवल पर्दे तक सीमित नहीं रहे, बल्कि दर्शकों की यादों का हिस्सा बन गए। उनके अभिनय की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि वे किसी भी किरदार को केवल निभाते नहीं थे, बल्कि उसे पूरी तरह जीते थे। यही कारण है कि उनके द्वारा निभाए गए पात्रों में एक अलग तरह की सच्चाई और प्रभाव दिखाई देता है।

फिल्म जगत में सफलता हासिल करना आसान नहीं होता। हर कलाकार को अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है, लेकिन कुछ कलाकार अपने संघर्षों को अपनी ताकत बना लेते हैं। नाना पाटेकर का जीवन भी इसी संघर्ष और मेहनत का उदाहरण है। उन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर धीरे–धीरे फिल्म उद्योग में अपनी जगह बनाई। उन्होंने कभी भी केवल लोकप्रियता के पीछे भागने के बजाय अपने अभिनय की गुणवत्ता को महत्व दिया। यही वजह है कि वे दर्शकों के बीच केवल एक लोकप्रिय अभिनेता नहीं, बल्कि एक सम्मानित कलाकार के रूप में पहचाने गए।

नाना पाटेकर का अभिनय हमेशा वास्तविकता के बहुत करीब रहा है। उन्होंने ऐसे किरदार निभाए जिनमें इंसानी भावनाओं की गहराई दिखाई देती है। उनके पात्रों में गुस्सा भी होता है, दर्द भी, मजबूरी भी और उम्मीद भी। वे अपने अभिनय के माध्यम से यह दिखाने में सफल रहे कि एक साधारण इंसान के जीवन में कितने संघर्ष छिपे होते हैं। उनकी फिल्मों में अक्सर समाज की वास्तविक तस्वीर देखने को मिलती है, जहां आम आदमी अपनी परेशानियों, परिस्थितियों और भावनाओं के साथ दिखाई देता है।

उनकी संवाद अदायगी उनकी सबसे बड़ी पहचान रही है। नाना पाटेकर जब कोई संवाद बोलते हैं तो उसमें केवल शब्द नहीं होते, बल्कि भावनाओं की पूरी शक्ति होती है। उनकी आवाज का उतार–चढ़ाव, बोलने का तरीका और चेहरे के हाव–भाव किसी भी दृश्य को प्रभावशाली बना देते हैं। कई बार उनके कम शब्द भी बहुत कुछ कह जाते हैं। यही उनकी अभिनय कला की विशेषता है कि वे बिना ज्यादा दिखावे के भी दर्शकों के मन पर गहरा प्रभाव छोड़ देते हैं।

भारतीय सिनेमा में ऐसे कलाकार कम ही देखने को मिलते हैं जो अपनी अलग शैली विकसित कर पाते हैं। नाना पाटेकर ने अपनी एक ऐसी अभिनय शैली बनाई जिसमें सच्चाई, संवेदना और गहराई दिखाई देती है। उन्होंने यह साबित किया कि अभिनय केवल बाहरी रूप या आकर्षण का नाम नहीं है, बल्कि यह भावनाओं को समझने और उन्हें ईमानदारी से प्रस्तुत करने की कला है।

उनकी फिल्मों का सफर भी उनकी प्रतिभा की गवाही देता है। उन्होंने अलग–अलग तरह की भूमिकाएं निभाईं और हर भूमिका में अपनी छाप छोड़ी। गंभीर किरदारों से लेकर भावनात्मक भूमिकाओं तक, उन्होंने हर क्षेत्रमें अपनी क्षमता दिखाई। वे उन अभिनेताओं में रहे जिन्होंने खुद को किसी एक छवि तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने हर बार कुछ नया करने का प्रयासकिया और दर्शकों को अपने अभिनय से प्रभावित किया।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार के प्रश्न

किसी भी देश की प्रगति और विकास का सबसे मजबूत आधार उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा केवल किताबों में लिखी जानकारियों को याद करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के विचारों, व्यक्तित्व और भविष्य को आकार देने वाली प्रक्रिया है। एक अच्छी शिक्षा व्यवस्था देश को जागरूक, सक्षम और जिम्मेदार नागरिक प्रदान करती है। इसलिए किसी भी राष्ट्र के लिए यह आवश्यक है कि उसकी शिक्षा प्रणाली समय की जरूरतों के अनुसार विकसित होती रहे। आज भारत जैसे विशाल और युवा देश में शिक्षा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है।

भारत में शिक्षा का इतिहास बहुत समृद्ध रहा है। प्राचीन काल में नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय ज्ञान के बड़े केंद्र हुआ करते थे, जहां देश–विदेश से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने आते थे। भारतीय शिक्षा परंपरा में ज्ञान, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को विशेष महत्व दिया जाता था। लेकिन समय के साथ शिक्षा का स्वरूप बदलता गया। आधुनिक दौर में शिक्षा के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल हुई हैं, फिर भी वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के सामने अनेक चुनौतियां मौजूद हैं, जिनका समाधान आवश्यक है।

आज की शिक्षा प्रणाली का सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या वह विद्यार्थियों को केवल परीक्षा पास करने के लिए तैयार कर रही है या जीवन की वास्तविक चुनौतियों का सामना करने के लिए भी सक्षम बना रही है। वर्तमान समय में कई विद्यार्थी अच्छे अंक प्राप्त करने के दबाव में रचनात्मक सोच, व्यावहारिक ज्ञान और अपनी रुचियों को पीछे छोड़ देते हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों में समस्या समाधान की क्षमता, आत्मविश्वास और नई सोच विकसित करना भी होना चाहिए।

हमारी शिक्षा व्यवस्था में लंबे समय से रटने की प्रवृत्ति एक बड़ी समस्या रही है। कई बार विद्यार्थी विषय को समझने के बजाय केवल परीक्षा के लिए उसे याद करते हैं। इससे उनकी वास्तविक समझ और ज्ञान का विकास सीमित रह जाता है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जिसमें विद्यार्थी प्रश्न पूछने, तर्क करने और नए विचारों को प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित हों। जब विद्यार्थी किसी विषय को गहराई से समझते हैं, तभी वह ज्ञान उनके जीवन में उपयोगी बनता है।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार का एक महत्वपूर्ण पहलू पाठ्यक्रम में बदलाव है। आज का समय तेजी से बदल रहा है। तकनीक, विज्ञान और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस दौर में विद्यार्थियों को केवल पारंपरिक विषयों तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्हें डिजिटल ज्ञान, संचार कौशल, वित्तीय समझ, पर्यावरण जागरूकता और व्यावहारिक जीवन से जुड़े विषयों की जानकारी भी दी जानी चाहिए। ऐसा पाठ्यक्रम तैयार करने की आवश्यकता है जो विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर सके। शिक्षकों की भूमिका भी शिक्षा व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण होती है।

नाना पाटेकर बेबाक आवाज का अंत, किरदारों में हमेशा जिन्दा रहेंगे

—स्वदेश कुमार—

भारतीय सिनेमा के फलक पर कुछ ही ऐसे चेहरे होते हैं जो सिर्फ कैमरे के सामने अभिनय नहीं करते, बल्कि अपनी मौजूदगी से पूरे समाज के भीतर सुलग रहे सवालों को आवाज देते हैं। 8 अक्टूबर 2026 को गोवा के डोना पाउला स्थित अपने फ्लैट में 75 वर्ष की आयु में जब नाना पाटेकर ने अंतिम सांस ली, तो देश ने केवल एक दिग्गज अभिनेता को नहीं खोया, बल्कि उसने अपनी माटी की वह खरी आवाज खो दी जो कभी सत्ता के आगे झुकी नहीं और न ही किसी दिखावे की चादर में छिपी। महाराष्ट्र के रायगढ़ में 1 जनवरी को जन्मे विश्वनाथ पाटेकर से लेकर पर्दे के 'नाना' बनने तक का उनका यह सफर किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं था, लेकिन यह पटकथा पूरी तरह सच के पन्नों पर लिखी गई थी। आंकड़ों और तथ्यों के आईने में देखें तो नाना पाटेकर का पांच दशकों से अधिक लंबा करियर इस बात की गवाही देता है कि बिना किसी फिल्मी घराने या गॉडफादर के भी कैसे सिर्फ प्रतिभा और जमीन से जुड़कर शिखर को छुआ जा सकता है। अपने बेमिसाल करियर में उन्होंने सौ से अधिक फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय के दम पर तीन बार प्रतिष्ठित नेशनल फिल्म अवॉर्ड अपने नाम किए। साल 1989 की चर्चित फिल्म 'परिंदा' में खतरनाक गैंगस्टर अन्ना के किरदार के लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला, जिसके बाद 1994 की फिल्म 'क्रांतिवीर' के बागी प्रताप पाटिल के रूप में उनके दमदार और आग उगलते संवादों ने पूरे देश के युवाओं में एक नई चेतना जगा दी, और इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर के नेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया। इसके ठीक बाद 1996 में आई फिल्म 'अग्निसाक्षी' में उनके रोंगटे खड़े कर देने वाले अभिनय के लिए उन्हें फिर से बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। इसके अलावा भारतीय कला जगत में उनके अतुलनीय योगदान को देखते हुए साल 2013 में उन्हें देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था। वह मराठी सिनेमा के पहले ऐसे सुपरस्टार थे जिन्होंने रंगमंच की मजबूत नींव पर खड़े होकर हिंदी सिनेमा के मुख्यधारा के आंचल में अपनी एक ऐसी अमिट छाप छोड़ी जिसकी बराबरी आज तक कोई नहीं कर पाया।

लेकिन जिस कलाकार ने अपनी पूरी जिंदगी मंच पर और पर्दे के पीछे बेबाकी की मिसाल पेश की, उसके आखिरी पल इतने वीरान और दर्दनाक होंगे, इसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। गोवा के मणिपाल अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. शेखर सालकर और शुरुआती मेडिकल खुलासों के मुताबिक, 8 अक्टूबर 2026 की उस मनहूस रात में, जब पूरी दुनिया गहरी नींद में थी, नाना पाटेकर के सीने में अचानक तेज घबराहट और बाईं तरफ असहनीय दर्द उठा। अपने गोवा वाले फ्लैट में उस वक्त वे पूरी तरह अकेले थे। जिंदगी के उस आखिरी और सबसे बड़े संकट के क्षण में उन्होंने अपने एक बेहद करीबी और जिगरी दोस्त को व्हाट्सएप पर एक संदेश भेजा। उस संदेश में उन्होंने अपनी बिगड़ती तबीयत और दिल के पास उठ रहे उस तूफान का जिक्र किया था। लेकिन विडंबना देखिए कि उस गहरी रात में दोस्त का फोन साइलेंट होने या दूर रखे होने के कारण वह नोटिफिकेशन उस समय तक नहीं देख सका। जब करीब डेढ़ घंटे बीत जाने के बाद सुबह के चार बजे उस दोस्त की आंख खुली और उसने मोबाइल पर नाना का वह दर्दभरा पैगाम पढ़ा, तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। वह बिना एक पल गंवाए तुरंत डोना पाउला स्थित उस फ्लैट की तरफ दौड़ा, जहां का नजारा किसी खौफनाक सपने जैसा था। नाना पाटेकर अपने कमरे के फर्श पर अचेत गिरे हुए थे, उनका पूरा शरीर पसीने से बुरी तरह भीगा हुआ था और वे सांस लेने के लिए भयानक संघर्ष कर रहे थे। आनन–फानन में उन्हें गाड़ी में डालकर मणिपाल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सुबह करीब साढ़े चार से पांच बजे के बीच डॉक्टरों ने उन्हें देखते ही 'ब्रॉट डेड' घोषित कर दिया। अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने पूरी शिद्दत के साथ लगभग पैंतालीस मिनट से एक घंटे तक लगातार सीपीआर यानी कार्डियक मसाज देकर उनकी रुकी हुई धड़कनों को वापस लाने की हरसंभव कोशिश की, लेकिन मौत अपनी बाजी जीत चुकी थी और इस महान फनकार का जिस्म हमेशा के लिए शांत हो चुका था।

नाना पाटेकर की मौत के बाद उनके जीवन के वे फलसफे और इंटरव्यू फिर से गूंज उठे हैं जो उन्होंने जीते–जी बेबाकी से कहे थे। एक बार एक इंटरव्यू में उन्होंने मौत की सच्चाई को बहुत ही गहरे और बेबाक अंदाज में समझाते हुए कहा था कि इंसान हमेशा खुद को अमर समझकर दिन–रात दौलत, शोहरत और सुख–सुविधाओं के पीछे भागता रहता है, जबकि हकीकत यह है कि जिंदगी से ज्यादा अनिश्चित कुछ भी नहीं है। उनका मानना था कि यदि हर इंसान सुबह उठते वक्त यह मान ले कि वह कल इस दुनिया में नहीं रहेगा, तो शायद वह अपने सारे अहंकार, लालच और दिखावे को छोड़कर आज के इस पल को पूरी सादगी, सच्चाई और इंसानियत के साथ जी सके। सिनेमा को लेकर उनका नजरिया बिल्कुल स्पष्ट था। उनका साफ कहना था कि यदि मेरे पास करोड़ों लोगों तक अपनी बात पहुंचाने का इतना बड़ा और असरदार माध्यम मौजूद है, और फिर भी मैं उसका इस्तेमाल समाज के दबे–कुचले लोगों, किसानों के दर्द और व्यवस्था की सड़न को बयां करने के लिए नहीं करता, तो उस अभिनेता होने का कोई मतलब ही नहीं है। यही वजह थी कि उन्होंने फिल्मों में केवल मनोरंजन करने के बजाय 'अंकुश', 'तिरंगा', 'अपहरण' और 'राजनीति' जैसे गंभीर मुद्दों को चुना। असल जिंदगी में भी वह सिर्फ बातों के शेर नहीं थे, बल्कि सामाजिक जमीन पर उतरकर काम करने वाले इंसान थे। महाराष्ट्र और देश के सूखाग्रस्त इलाकों में जब किसानों की आत्महत्याओं का दौर बढ़ा, तो उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ मिलकर 'नाम फाउंडेशन' की नींव रखी।अंतिम संस्कार भी उनके व्यक्तित्व की तरह ही पूरी तरह बेबाक और फकीराना रहा।

बसपा के अस्तित्व का सबसे बड़ा इम्तिहान

—रोहित माहेश्वरी—

बहुजन समाज पार्टी के सामने आज अपने अस्तित्व को बचाने का अब तक का सबसे बड़ा संकट है। कांशीराम द्वारा स्थापित और मायावती के नेतृत्व में चार बार उत्तर प्रदेश की सत्ता संभालने वाली यह पार्टी वर्तमान में अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। यूपी में बसपा का मुख्य वोट बैंक खासकर दलित समुदाय तेजी से खिसका है। 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को सिर्फ 1 सीट मिली, और उसका वोट शेयर गिरकर लगभग 12.8 फीसदी रह गया। 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी की 80 सीटों में से बसपा एक भी सीट नहीं जीत सकी और उसका वोट शेयर घटकर 9.39 फीसदी पर आ गया।

गैर–जाटव दलित और अति–पिछड़ी जातियां धीरे–धीरे भाजपा की ओर आकर्षित हुई हैं, जबकि जाटव वोट बैंक का एक बड़ा हिस्सा इंडी गठबंधन) की तरफ स्थानांतरित हुआ है। जमीन पर बसपा के आंदोलनों और आक्रामक राजनीति की कमी को भी इस गिरावट की एक मुख्य वजह माना जाता है। जमीनी हालातों केस वाकिफ मायावती 2007 की तर्ज पर दलित और अन्य सभी वर्गों को साधकर अपना पुराना सामाजिक आधार और वोट बैंक वापस पाने की कोशिश कर रही है। मायावती ने संकेत दिए हैं कि बसपा अगले विधानसभा चुनाव में उसी बहुजन सोशल इंजीनियरिंग मॉडल को अपनाएगी जिसे वह पहले भी अपनाती रही है। मायावती की रणनीति इन समुदायों के बीच यह संदेश देन की है कि वे सिर्फ वोट बैंक नहीं हैं। वे सत्ता चलाने वाला वर्ग भी बन सकते हैं।

बीएसपी पर मायावती का हमेशा पूरा नियंत्रण रहा है, लेकिन पार्टी के मालिकाना हक को लेकर पारिवारिक कलह सामने आई थी। लेकिन मायावती ने समय रहते स्थिति पर नियंत्रण पा लिया है। विधानसभा चुनाव में पहली बार मायावती अपने भतीजों आकाश और ईशान आनंद के साथ मिलकर पार्टी के चुनाव प्रचार की कमान संभालेंगी। बसपा के इतिहास में ऐसा पहली बार होगा जब मायावती का परिवार किसी चुनाव में एक साथ प्रचार मैदान में उतरेगा। मायावती ने पार्टी से निष्कासन के एक महीने से भी कम समय के भीतर आकाश आनंद की बसपा में वापसी कराई और उन्हें फिर से राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त कर दिया। आकाश इस बार विधानसभा चुनावों तक पार्टी में बने रहते हैं, तो यूपी में यह उनका पहला पूर्णकालिक चुनाव प्रचार अभियान होगा। आकाश ने यूपी में अब तक कोई चुनाव नहीं लड़ा है, जबकि छोटे भाई ईशान आनंद को हाल ही में पार्टी में राष्ट्रीय संयोजक का पद सौंपा गया है।

मायावती ने आकाश आनंद को 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान बसपा के स्टार प्रचारकों के रूप में लॉन्च किया था, लेकिन राज्य में तीसरे चरण के मतदान के बाद 7 मई को मायावती ने उन्हें पार्टी पदों से हटा दिया था, जिससे उनका चुनाव प्रचार बीच में ही रुक गया था। इसके बाद दूसरी बारी में आकाश ने 10 अगस्त को हाथरस से यूपी चुनावों के लिए अपने अभियान की शुरुआत की थी और 25 अगस्त को गौतम बुद्ध नगर के जेवर में एक जनसभा को संबोधित किया था, लेकिन 10 सितंबर को उन्हें अचानक पार्टी से हटा दिया गया था। अब मायावती द्वारा उन्हें फिर से शीर्ष भूमिका सौंपे जाने के बाद, राज्य में उनकी जनसभाओं का नया कार्यक्रम तैयार किया जा सकता है। अब एक बार फिर आकाश की एंट्री से बसपा में नया परिवर्तन देखने को मिल सकता है। हालांकि पार्टी नेतृत्व ने अभी यह तय नहीं किया है कि दोनों भाई यूपी में रैलियों और जनसभाओं को संबोधित करेंगे या नहीं।

यदि बुआ मायावती की ओर से मौका मिलता है, तो दोनों भाई बसपा के प्रचार अभियान में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। ये तय है कि मायावती दोनों को अहम जिम्मेदारी देगी। हाल में मायावती ने जेन–जी और जेन–अल्फा के विरोध प्रदर्शनों का खुलकर समर्थन किया है और युवाओं को अपनी पार्टी से जोड़ने में जुटी हैं। ऐसे में ॅआनंद बंधुओंश को युवाओं को साधने पर फोकस कर सकती हैं। पार्टी के सामने सबसे बड़ी परीक्षा यह है कि क्या आकाश और ईशान युवाओं को पार्टी से जोड़कर कांशीराम के दौर वाले कैडर को पुनर्जीवित कर पाएंगे।

बीएसपी ने उत्तर प्रदेश में आखिरी बार 2007 में सरकार बनाई थी। इस चुनाव में पार्टी को उत्तर प्रदेश की कुल 403 विधानसभा सीटों में से 206 पर कामयाबी मिली थी। इस चुनाव में बीएसपी की जीत का सेहरा उस सोशल इंजीनियरिंग के सिर बंधा था जिसके तहत पार्टी ब्राह्मण मतदाताओं को अपनी तरह खींचने में कामयाब रही थी। लगातार 15 साल उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर रहने के बाद 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव में पार्टी ने फिर एक बार ब्राह्मण वोटों पर अपनी नजरें टिकाई हैं। पार्टी का मानना है कि पिछले 15 साल में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी में ब्राह्मणों की उपेक्षा और उनके साथ हुए दुर्व्यवहार के वजह से इस बार ब्राह्मण समुदाय का वोट उसे ही मिलेगा।

मायावती ने कई मौकों पर दोहराया है कि जैसे 2007 के चुनाव में बसपा ने ब्राह्मण समुदाय को पर्याप्त टिकट दिए थे और पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी, वैसे ही 2027 में भी ब्राह्मण नेताओं को उचित प्रतिनिधित्व और टिकट दिए जाएंगे। बसपा का यह दांव इसलिए भी ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि यूजीसी कानून को लेकर ब्राह्मणों के आक्रोश ने भाजपा की चिंता बढ़ाया है। ब्राह्मण समाज को जहां भाजपा अपना परंपरागत वोट मानती है। वहीं इस बार सपा और बसपा ने इस समाज पर नए सिरे से डोरा डालने का प्रयास किया है।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब वे तीन राज्य हैं जहां बसपा की मौजूदगी है। इन राज्यों में अगले साल फरवरी–मार्च में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। बहुजन समाज पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। बसपा का कोई भी लोकसभा सांसद नहीं है। राज्यसभा में उनके एक मात्र सांसद रामजी गौतम हैं। किसी समय उत्तर प्रदेश में मजबूत राजनीतिक वर्चस्व रखने वाली मायावती की पार्टी के अब तीन राज्यों में सिर्फ 4 विधायक हैं।

एसआईआर पर हंगामा

—उमेश चतुर्वेदी—

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। विपक्षी हंगामे और सवालों के चलते ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है, जो मानने लगे हैं कि मतदाता सूची की जांच एक तरह से नागरिकता की जांच हो गई है। लोग एक बारगी वोटर न होने को बर्दाश्त कर भी लें, लेकिन कोई नहीं चाहेगा कि उसकी जन्मजात नागरिकता पर सवाल उठे या वह खतरे में पड़े। कहना न होगा कि विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर–दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा भ्रम और डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है। लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा है। ममता बनर्जी इस बहाने परोक्ष रूप से वाममोर्चा पर आरोप लगाती थीं कि मतदाता बने घुसपैठियों के ही सहारे वह पश्चिम बंगाल की सत्ता में काबिज है। बाद के दिनों में ये मतदाता ममता के समर्थक हो गए और ममता की सत्ता के आधार बनने लगे तो उन्हें भी यह मामला फिजूल का लगने लगा। बिहार का सीमांचल इलाका भी बांग्लादेशी घुसपैठ से प्रभावित रहा है। इसलिए वहां भी ऐसे सवाल और भ्रम उठ रहे हैं। चूंकि एसआईआर में ऐसे अवैध मतदाता ज्यादा सवालों के घेरे में हैं या फिर उनके नाम कट रहे हैं, इस वजह से इन्हीं राज्यों में यह मुद्दा कुछ ज्यादा तुर्श दिख रहा है।

मतदाता सूची में सुधार और उसमें चुनाव आयोग एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी बड़े सवाल उठे हैं। सवाल यह भी है कि क्या एसआईआर को लेकर उठाए जा रहे सवाल असल में प्रक्रियात्मक और कानूनी हैं या इनके जरिए सिर्फ राजनीति हो रही है? पहले ही कहा जा चुका है कि एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों की सबसे ज्यादा आपत्तियां बिहार और पश्चिम बंगाल से जुड़ी बताई जा रही हैं। कुछ राजनेताओं और दलों ने एसआईआर के आधार पर इन राज्यों के चुनावी परिणामों और मतदाता सूची की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। यहां ध्यान रखने की बात है कि एसआईआर केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी हुआ, लेकिन वहां बिहार या पश्चिम बंगाल की तरह इस पर सियासी विवाद नहीं हुआ। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि यदि कुछ राज्यों में एसआईआर को लेकर गंभीर आपत्ति नहीं है तो फिर एक या दो राज्यों में गंभीर आपत्तियां क्या राजनीतिक एजेंडे की वजह से तो नहीं उठाई जा रहीं? एसआईआर को देखने और समझने की एक ही कसौटी हर राज्य में क्यों नहीं लागू की जा रही है? इससे तो यही संकेत जाता है कि इसका सियासी विरोध सेलेक्टिव है और दोहरे मापदंड से भरा हुआ है। एसआईआर को लेकर जारी बहस में बड़े पैमाने पर नाम हटाने, तकनीकी प्रणाली के इस्तेमाल और पारदर्शिता जैसे सवाल उठाए गए हैं। मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया निर्धारित कानूनी और प्रशासनिक चरणों के तहत होती है। नाम हटाने से पहले मतदाता को नोटिस जारी करने और उसकी आपत्तियों और तर्कों की सुनवाई की जाती है। इसके बाद आखिरी निर्णय संबंधित निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर होता है। इसलिए ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी मतदाता का नाम नहीं होना और अंतिम मतदाता सूची से नाम हट जाना, एक ही बात नहीं है। इसलिए जरूरी है कि दावे, ड्राफ्ट आंकड़े, आपत्तियों और अंतिम निर्णय, इन सभी चरणों को अलग–अलग समझा जाए। हर स्तर पर चूंकि आयोग ने पारदर्शी व्यवस्था अपना रखी है, इसे समझना हो तो अभी दिल्ली के किसी बीएलओ केंद्र का दौरा किया जा सकता है। दिल्ली में खूब नोटिस जारी किए गए हैं, उनके जवाब में लोग बीएलओ यानी बूथ स्तर के अधिकारी के पास पहुंच रहे हैं। लेकिन अफरातफरी, घबराहट या दहशत नहीं दिख रही। बीएलओ लोगों से जरूरी फॉर्म और प्रमाण ले रहे हैं। ज्यादातर नोटिस की वजह पूरा नाम ना होना, नाम की वर्तनी गलत होना, पिता या पति के नाम का पूरा न होना या फिर उनके नाम की वर्तनी में गड़बड़ी या कमी होना है। अधिकारियों का कहना है कि ईसीआईनेट का सॉफ्टवेयर मतदाता सूची के पहले से जारी नाम और आवेदन में कुछ ही गड़बड़ी पाता है तो वह नोटिस जेनरेट कर देता है। उदाहरण के लिए, पहले से किसी का नाम मतदाता सूची में सिर्फ रमेश दर्ज है, जबकि उसका पूरा नाम रमेश शर्मा है, या इसी तरह उसके पिता का पूरा नाम दर्ज नहीं है। लेकिन पहचान के दूसरे दस्तावेजों में उसका पूरा नाम दर्ज है। जब आयोग के अधिकारी ईसीआईनेट पर इसे लोड करते हैं तो सॉफ्टवेयर इस गड़बड़ी या बेमेल तथ्य को पकड़ता है। इसी तरह किसी का पता बदल गया है, जो पहले से दर्ज रिकॉर्ड से अलग है तो उसे भी नोटिस जा रही है। बस इन्हें प्रमाणित करना भर है। लेकिन राजनीतिक दल इसे या तो समझ नहीं रहे या फिर जानबूझकर नासमझी दिखा रहे हैं। वैसे भी इन प्रमाणों को घुसपैठिए या अवैध मतदाता साबित नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए उनके नाम कट रहे हैं या काटे जाने की संभावना बन रही है।

वोट बचाओ–देश बचाओ के नारे के साथ सड़कों पर उतरे सपाई

संवाददाता–महराजगंज। जिलेभर के सपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के खिलाफ उबाल रहा। एसआईआर में गड़बड़ी और मतदाताओं का नाम कटने का आरोप लगा नाराज सपाइयों ने गुरुवार को जिला मुख्यालय पर पैदल मार्च कर प्रदर्शन किया। चौराहे पर सीईओ का प्रतीकात्मक पुतला भी जलाया। पुतला जलाने के दौरान पुलिस से छीना झपटी भी हुई। सपाइयों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी भी की। समाजवादी पार्टी के सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता पार्टी के जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव के नेतृत्व में नगर की सड़कों पर उतरे। पार्टी कार्यालय से वोट बचाओ–देश बचाओ–लोकतंत्र बचाओ पैदल मार्च निकाला गया। जिला परिषद मार्केट स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा से होते हुए मार्च आंबेडकर पार्क पहुंचा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संकल्प लेते हुए राष्ट्रगान किया तथा संविधान के अनुच्छेद 326 का वाचन भी किया। मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव जिंदाबाद, समाजवादी पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए। पैदल मार्च जिला मुख्यालय की सड़क पर भी निकाला गया। मार्च में कार्यकर्ताओं ने वोट चोरी के खिलाफ और ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो जैसे नारे भी लगाए। सपा नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए। सपा नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता का वोट सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है और इसकी रक्षा के लिए जनता को जागरूक करना जरूरी है। इस दौरान विधान परिषद के पूर्व सभापति गणेश शंकर पांडेय, नौतनवा के पूर्व विधायक कुंवर कौशल सिंह, पूर्व विधायक सुदामा प्रसाद, पूर्व विधायक श्रीपति आजाद, आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रवण पटेल, निर्भय मंगल, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश यादव, भाई रामलाल यादव, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री सुशील कुमार टिबड़ेवाल, जिला उपाध्यक्ष प्रणय गौतम, पूर्व प्रमुख रामप्रकाश सिंह, हरेंद्र कृष्ण त्रिपाठी, दिलीप शुक्ला, देवेन्द्र प्रताप शाही, बिन्द्रेश कन्नौजिया, अमीर खान, शमशुल हुदा, कृष्ण भान सिंह, सुरेन्द्र भारती, मक्खू प्रसाद, विजय यादव, अमरनाथ यादव, राजू दुबे, अमरजीत साहनी, गौरी शंकर गुप्ता, समीम खान, नौशाद आलम, अमित चौबे, कैलाश प्रजापति, विक्रम यादव, अर्जुन यादव, अरविंद यादव, राहुल मिश्रा, अजय गुप्ता, भोला यादव, सुमन ओझा, राजेश निषाद, राजकुमार निषाद, संतोष कृष्ण त्रिपाठी, राधेश्याम यादव, राहुल पांडेय, उमेश यादव, दीनबंधु आदि मौजूद रहे।

स्व. ब्रह्मानंद के घर पहुँचीं सुमन यादव परिवार को दिया आर्थिक सहयोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता– संतकबीरनगर। दुखों के पहाड़ तले दबे गोसाईपुर गाँव में गुरुवार को उस वक्त माहौल बेहद गमगीन हो गया, जब जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव की पत्नी सुमन यादव अपने बेटे दीपक के साथ स्व. ब्रह्मानंद यादव के शोकाकुल परिजनों से मिलने पहुँचीं। घर के भीतर कदम रखते ही स्व. ब्रह्मानंद के बिलखते बच्चों को देखकर सुमन यादव खुद को रोक न सकीं और भावुक होकर रो पड़ीं। उन्होंने स्व. ब्रह्मानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी और कहा कि ब्रह्मानंद केवल एक सहयोगी नहीं, बल्कि उनके पति बलिराम यादव का साया और उनका छोटा भाई था, जिसकी कमी को कभी पूरा नहीं किया जा सकता।शोकाकुल परिवार को ढांढस बँधाते और मासूमों को दुलारते हुए सुमन यादव ने एक माँ का संबल दिया और कहा कि अब उनके परिवार में तीन नहीं, बल्कि पाँच बच्चों की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्व. ब्रह्मानंद के बच्चों की परवरिश अपने बच्चों की तरह करने का संकल्प लेते हुए परिवार के हर सुख–दुख में हमेशा साथ खड़े रहने का वचन दिया। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार को 50 हजार की आर्थिक सहायता राशि सौंपी और प्रशासन से हत्याकांड के आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई कर परिवार को तुरंत न्याय दिलाने की पुरजोर माँग की।

प्रत्येक शनिवार को अधिवक्ता न्यायिक कार्य से रहेंगे विरत

संवाददाता–महराजगंज। । सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रभारी अध्यक्ष अरविंद निषाद व महामंत्री प्रमोद त्रिपाठी के नेतृत्व में प्रदेशव्यापी चार सूत्री मांगों के लिए बार सभागार में आमसभा की बैठक हुई। आम सभा की बैठक के दौरान बार एसोसिएशन की तरफ से फरियादियों–वादकारियों के न्यायिक हित सुरक्षित रखने का प्रार्थनापत्र जिला जज अरविंद मलिक को भेजा गया। साथ ही मांगों के समर्थन में हर शनिवार को न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया गया। आम सभा में उपस्थित अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग पर जोर दिया। कहा कि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू न होने से अधिवक्ताओं को न्यायिक सेवा संपादित करने में असुरक्षा तथा मुकदमों की पैरवी करने की रंजिश से अधिवक्ताओं पर हमले तथा फर्जी मुकदमों में फसाया जा रहा है। अधिवक्ताओं पर हुए फर्जी मुकदमों का ट्रायल अन्य जनपद में कराए जाने से अधिवक्ताओं का न्यायिक सेवा प्रदान करना प्रभावित होगा। इसके दुरुपयोग की आशंकाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। आमसभा में इस मत पर विशेष बल दिया गया कि अधिवक्ताओं की हड़ताल पर रोक से फरियादियों के हित प्रभावित होंगे। हड़ताल अधिवक्ताओं का एक सशक्त माध्यम है। आम सभा में सर्वसम्मति से यह निर्णय पारित किया गया की सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अधिवक्ता अपनी मांगों के लिए प्रत्येक शनिवार को न्यायिक कार्य से विरत रहकर आम सभा की बैठक करेंगे। महामंत्री प्रमोद त्रिपाठी ने कहा कि अधिवक्ताओं के न्यायिक स्वतंत्रता को बाधित करने की कोशिश हो रही है। पूर्व महामंत्री धर्मेन्द्र त्रिपाठी ने अधिवक्ताओं के हितों के लिए निर्णायक सत्याग्रह पर बल दिया।

मकान विवाद ने पकड़ा तूल, दंपती ने लगाए कब्जे के प्रयास के आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। थाना रामजन्मभूमि क्षेत्र के अंतर्गत हरिदास नगर कॉलोनी में मकान को लेकर चल रहे विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। गुरुवार को मनी कुमारी और उनके पति हेमंत कुमार ठाकुर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एक व्यक्ति पर मकान हड़पने, उनकी मां को बहला–फुसलाकर ले जाने, धमकी देने और संपत्ति पर कब्जे का प्रयास करने के आरोप लगाए। दंपती ने स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़ा करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।दंपती के मुताबिक, मकान को लेकर सिविल न्यायालय में वाद संख्या 909ध्26 विचाराधीन है। मामले में अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को प्रस्तावित है। उनका आरोप है कि न्यायालय में मामला लंबित होने के बावजूद संपत्ति पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।मनी कुमारी ने आरोप लगाया कि उनकी सास रूप सखी को दो सितंबर को गोंडा निवासी पंकज पाठक बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया। इसके बाद मकान को अपने नाम कराने का कथित प्रयास किया गया। आरोप है कि 18 सितंबर को सास से मकान का हिबानामा भी अपने नाम करा लिया गया।हेमंत कुमार ठाकुर ने बताया कि 29 सितंबर को पुलिस उन्हें घर से थाने ले गई और बीएनएसएस की धाराओं में चालान कर दिया। उनका आरोप है कि इसी दौरान दूसरा पक्ष पुलिस के साथ उनके घर पहुंचा। मनी कुमारी के अनुसार, वह उस समय अपने दो छोटे बच्चों के साथ घर में थीं। दरवाजा नहीं खोलने पर बाहर से ताला लगा दिया गया, जिससे वह बच्चों समेत घर के अंदर बंद हो गईं।दंपती ने पुलिस पर आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद उनकी बात गंभीरता से नहीं सुनी गई और दूसरे पक्ष को कथित रूप से संरक्षण दिया गया। उन्होंने दावा किया कि घटनाक्रम से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध है। पीड़ित दंपती ने उच्चाधिकारियों से मामले की जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है।हालांकि, प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस और आरोपित पक्ष का आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

जब–जब भाजपा का बटन दबा, तब–तब महंगाई दोगुनी हुई –अभिषेक

संवाददाता–महराजगंज। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव–सह प्रभारी उत्तर प्रदेश पूर्वांचल जोन अभिषेक दत्त ने कहा कि भाजपा ने बड़े–बड़े वादे किए थे। लेकिन जनता के लिए कुछ नहीं किया। पीएम मोदी ने कहा था कि भाजपा का बटन दबाओ महंगाई कम होगी, लेकिन यहां तो उल्टा हुआ। जितनी बार भाजपा का बटन दबा, उतनी बार महंगाई दोगुनी हुई। वे लक्ष्मीपुर के अमहवा चौराहे पर मछुआरा, निषाद व मल्लाह संवाद कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि दो बार भाजपा के बटन दबाने पर गैस 425 से एक हजार पार हो गया।

अगर तीसरी बार दबाया तो 1500 के पार कीमत होगी। चीनी 35 से 70 हो गई है, अगर तीसरी बार दबाया तो चीनी 100 के पार हो जायेगी। उन्होंने कहा कि अगर महंगाई कम करनी है तो कांग्रेस वाले बटन को दबाना होगा। कहा कि डॉ. संजय निषाद ने बड़े–बड़े वादे कर आपसे वोट तो लिया, लेकिन आपके हित के लिये कुछ नहीं किया। अयोध्या में चंदा चोरी पर उन्होंने सरकार को घेरा। कहा कि जनता ने मन बना लिया है कि वोट चोरी अब नहीं चलेगी। विशिष्ट अतिथि पार्टी की प्रवक्ता, सदस्य राष्ट्रीय कार्य समिति एवं चेयरमैन सोशल मीडिया डिजिटल प्लेटफार्म सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि निषाद समाज का देश के प्रति बहुत बड़ा योगदान है। अपने को निषादों का नेता कहने वाले संजय निषाद ने अपने समाज को छला है। उन्होंने निषादों को एससी में आरक्षण दिलाने की बात कही, लेकिन वादे को भूल गए। निषाद समाज के लिये कुछ नहीं किया। कहा कि आपके हित की लड़ाई केवल कांग्रेस पार्टी ही करती है। उन्होंने कहा कि अभी कुछ दिन पहले वोट चोरी के मामले में देश के युवा, किसान, मजदूर के साथ कांग्रेस पार्टी के सांसद, विधायक और पार्टी के कार्यकर्ता दिल्ली की सड़कों पर उतरे तो दिल्ली की पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, महिला सांसदों के साथ बदसलूकी की। पूरे देश ने इसे देखा। उन्होंने कहा कि अब ज्ञानेश कुमार को जाना होगा। कहा कि अगर 100 मुकदमें भी दर्ज हो जाएं तब भी राहुत गांधी देश और संविधान बचाने के लिये लड़ते रहेंगे। कार्यक्रम को सदामोहन उपाध्याय, जिपं सदस्य सुरेश साहनी ने भी संबोधित किया। संचालन जिलाध्यक्ष एडवोकेट विजय सिंह ने किया, जबकि पूर्व जिलाध्यक्ष त्रिभुवन मिश्रा, झिनकू चौधरी, प्रधान ओहाब, उमेश सहानी, प्रगट सहानी व सुधीर समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

राहुल गांधी की हिरासत के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शनः केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ विशाल जुलूस

संवाददाता–बलरामपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी बलरामपुर ने गुरुवार दोपहर 3ः30 बजे केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष शिवलाल कोरी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विशाल विरोध जुलूस निकालकर दिन को 'लोकतंत्र के लिए काला दिवस' के रूप में मनाया। जुलूस के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र व प्रदेश सरकार तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान आयोजित सभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं चंद्रशेखर मिश्र, अनुज कुमार सिंह, अवधेश पाल सिंह, डॉ. प्रतीक मिश्रा, विजय उपाध्याय और डॉ. खलीउल्लाह ने केंद्र सरकार और पुलिस प्रशासन पर तीखे हमले किए। नेताओं ने आरोप लगाया कि देश में लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बढ़ रहा है तथा विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य सांसद मुख्य चुनाव आयुक्त से अपनी बात रखने के लिए जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। उनके मुताबिक, विरोध में राहुल गांधी समेत विपक्षी नेता करीब सात घंटे तक धरने पर बैठे रहे और बाद में पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। कांग्रेस ने इसी कार्रवाई के विरोध में देशभर में प्रदर्शन का आह्वान किया था।

सभा को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि "सरकार चाहे जितने दमनकारी हथकंडे अपना ले, कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करता रहेगा।" उन्होंने पुलिस कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ बताते हुए केंद्र सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस सांसदों को मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यालय की ओर जाने से रोकना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने कहा कि इसी घटना के विरोध में बलरामपुर समेत पूरे देश में 'लोकतंत्र के लिए काला दिवस' मनाया जा रहा है।

प्रदर्शन में इनायत फिरोज, मोहम्मद जमील, इजहार भाई, गौरव शुक्ला, दीपक मिश्रा, त्रिलोकी यादव, जिला मीडिया प्रभारी बृजेश चौहान समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, अग्रिम संगठनों के प्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण पर हिंदू महासभा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

याचिका को संबंधित लंबित मामलों के साथ जोड़ा, दो नवंबर को अगली सुनवाई, निष्पक्ष जांच की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से जुड़े चढ़ावे, धनराशि के लेन–देन और कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर अखिल भारत हिंदू महासभा की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायालय ने याचिका को इसी विषय से संबंधित अन्य लंबित मामलों के साथ जोड़ दिया है। मामले में अगली सुनवाई दो नवंबर को होगी।हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनीष पांडेय ने गुरुवार को टेढ़ी बाजार स्थित अरुंधति रेस्टोरेंट में प्रेस वार्ता कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि याचिका उनकी ओर से अभिसाक्षी (डिपोनेंट) के रूप में दायर की गई है। याचिका की पैरवी एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड वारिंदर कुमार शर्मा कर रहे हैं।पांडेय के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई हुई। याचिका में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कामकाज की जांच, मंदिर से संबंधित चढ़ावे एवं धनराशि के लेन–देन की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई की मांग की गई है। याचिका में सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की समिति से जांच कराने की मांग भी की गई है।

पांडेय ने ट्रस्ट के कामकाज को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के पदाधिकारी अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं कर पाए हैं, इसलिए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा, गोविंद गिरी और गोपाल राव समेत अन्य संबंधित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किए जाने की बात कही।

उन्होंने एसआइटी जांच पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें शुरुआत से ही इसकी निष्पक्षता को लेकर आपत्ति रही है। उन्होंने पूर्व लेखा अधिकारी महिपाल सिंह और बार एसोसिएशन अयोध्या से जुड़े मामलों का हवाला देते हुए जांच के दायरे को लेकर सवाल उठाए। साथ ही बैंक कर्मियों को क्लीन चिट दिए जाने और मुख्य सुरक्षा अधिकारी अर्जुन देव के स्थानांतरण को लेकर भी प्रश्न उठाए।पांडेय ने मंदिर निर्माण समिति के सदस्य अनूप कुमार मित्तल को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि याचिका में इन सभी बिंदुओं को न्यायालय के समक्ष रखा गया है। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है, इसलिए मंदिर से जुड़ी धनराशि के प्रत्येक लेन–देन में पारदर्शिता आवश्यक है।उन्होंने कहा कि महासभा का उद्देश्य किसी को पूर्व निर्धारित रूप से दोषी ठहराना नहीं, बल्कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों को सामने लाना है। न्यायपालिका पर विश्वास जताते हुए उन्होंने कहा कि दो नवंबर को होने वाली सुनवाई में दस्तावेजों और तथ्यों के आधार पर पक्ष रखा जाएगा।प्रेस वार्ता में पूर्व कारसेवक रविशंकर पांडेय, रमेश यादव, राहुल यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

ब्लाक परिसर पौली में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगो का हुआ उपचार

– खण्ड विकास कार्यालय पर प्रत्येक माह लगाया जाय वृहद स्वास्थ्य शिविर– अखिलेश वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– पौली, (संतकबीरनगर)। खंड विकास कार्यालय के सभागार में बुधवार को स्वास्थ्य सेवा अभियान के तहत निःशुल्क एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी अखिलेश वर्मा व सीएम फेलो ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीडीओ ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर का आयोजन प्रत्येक माह कराया जाय। जिससे ग्रामीण के साथ कर्मचारियों की भी परीक्षण होता रहे। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराना है।

शिविर में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश सोनकर तथा मुख्यमंत्री फेलो अंकित तिवारी ने उपस्थित लोगों को संतुलित आहार, स्वच्छता, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में जानकारी दी। इस दौरान विकास खंड मुख्यालय पर मौजूद नागरिकों, ग्रामीणों, अधिकारियों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच की गई।

स्वास्थ्य शिविर में विशेष रूप से ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की निःशुल्क जांच की गई। जांच के बाद जरूरतमंद लोगों को चिकित्सकीय परामर्श के साथ आवश्यक दवाइयों का भी निःशुल्क वितरण किया गया। स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिलने से ग्रामीणों और अन्य उपस्थित लोगों ने राहत महसूस की।

शिविर के सफल आयोजन में मुख्यमंत्री फेलो अंकित तिवारी की भूमिका सराहनीय रही। उनके प्रयासों से प्रशासनिक अमले और स्वास्थ्य विभाग की टीम के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिला। इस दौरान मुख्यमंत्री फेलो ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के समक्ष प्रत्येक माह इसी तरह के स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने का सुझाव रखा। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने सुझाव को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए अपनी सहमति जताई।

शिविर में एडीओ पंचायत जितेंद्र त्रिपाठी, प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. रमेश सोनकर, स्टाफ नर्स माहेलका, लैब टेक्नीशियन शरद वर्मा और फार्मासिस्ट दुर्गेश यादव, सुपरवाइजर शशि प्रभा तिवारी, ज्योति वर्मा, सिमरन तथा आंगनवाड़ी कार्यकत्री सुमित्रा देवी, रेखा, रुचि सिंह और पूनम सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने बनाई एमएलसी चुनाव की रणनीति, संपर्क अभियान होगा तेज

संवाददाता–महराजगंज। शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर भाजपाइयों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष संजय पांडेय की अगुवाई में बैठक कर पार्टी प्रत्याशी ध्रुव त्रिपाठी के समर्थन में चुनावी रणनीति, मतदाताओं से संपर्क व संगठनात्मक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पदाधिकारियों से शिक्षक मतदाताओं के बीच व्यापक संपर्क अभियान चलाने, पार्टी प्रत्याशी की नीतियों और प्राथमिकताओं को पहुंचाने तथा बूथ एवं मंडल स्तर तक संगठन को सक्रिय करने पर जोर दिया गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि शिक्षक एमएलसी चुनाव में भाजपा संगठन पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगा और प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि शिक्षक समाज राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भाजपा शिक्षक हितों और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों ने शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए अनेक कदम उठाए हैं। शिक्षक एमएलसी चुनाव में भाजपा प्रत्याशी ध्रुव त्रिपाठी को व्यापक समर्थन दिलाने के लिए कार्यकर्ता पूरी प्रतिबद्धता के साथ जुटें। जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय उर्फ संजय पांडेय ने कहा कि भाजपा की संगठन उसकी सबसे बड़ी ताकत है। शिक्षक एमएलसी चुनाव में पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता ध्रुव त्रिपाठी की जीत के लिए पूरी ऊर्जा के साथ कार्य करेगा।उन्होंने पदाधिकारियों से जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए चुनावी अभियान को गति देने का आह्वान किया।बैठक में जिला पदाधिकारियों ने भी चुनाव को लेकर अपने सुझाव रखे और पार्टी प्रत्याशी की जीत के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष अशोक तिवारी, जिला महामंत्री बबलू यादव, जिला मंत्री विष्णुदेव चौरसिया, एमएलसी चुनाव के संयोजक प्रभाकर द्विवेदी, शिक्षक प्रकोष्ठ संयोजक अमित सिंह, विधानसभा संयोजक लालचंद्र चौधरी, दिनेश जायसवाल, शैलेश पाण्डेय, नागेंद्र मल्ल, शिवभूषण उर्फ बच्चा चौबे, प्रिंस शर्मा आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बबिता बनीं एएनएम संघ की अध्यक्ष, अंजली महामंत्री

संवाददाता–महराजगंज। सदर सीएचसी सभागार में ब्लॉक सदर की संविदा एएनएम संघ का चुनाव हुआ। इसमें कुमारी बबिता मौर्य को अध्यक्ष व अंजली पटेल को महामंत्री चुना गया। चुनाव के बाद नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। पदाधिकारियों ने एएनएम की समस्याओं को संगठन के माध्यम से प्रमुखता से उठाने और उनके निराकरण के लिए एकजुट होकर काम करने की बात कही।कार्यकारिणी में वंदना पटेल को उपाध्यक्ष, उर्मिला पटेल को वरिष्ठ अध्यक्ष, संजूला मारती को संगठन मंत्री, सुमन पटेल को संयुक्त मंत्री, सत्यभामा राय को संप्रेक्षक, रागिनी यादव को संरक्षक व पूनम मौर्य को कोषाध्यक्ष चुना गया। कार्यक्रम में पीएचएस संघ के डॉ. केपी सिंह, डिप्लोमा फार्मासिस्ट संघ के अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह, संयुक्त कर्मचारी संघ के अध्यक्ष यश बी सिंह, बीएचडब्ल्यू संघ के अध्यक्ष मुन्ना कुमार, मनोरमा और सीमा सिंह आदि मौजूद रहे।

10 अक्टूबर को संत तुलसीदास घाट से निकलेगी 26वीं कलश यात्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। केंद्रीय दुर्गा पूजा रामलीला समन्वय समिति की ओर से 10 अक्टूबर को 26वीं कलश यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा को लेकर समिति के प्रवक्ता भानु प्रताप सिंह एवं कलश यात्रा प्रभारी बिंदु सिंह ने अयोध्या के मेयर महंत गिरीशपति त्रिपाठी से मुलाकात कर उन्हें कलश यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।समिति पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले 25 वर्षों से बहनों द्वारा निकाली जा रही कलश यात्रा का यह 26वां वर्ष है। कलश यात्रा 10 अक्टूबर को दोपहर 3ः30 बजे संत तुलसीदास घाट से प्रारंभ होगी। यात्रा के दौरान श्री तिवारी मंदिर पर प्रत्येक वर्ष की तरह मेयर महंत गिरीशपति त्रिपाठी द्वारा आरती एवं पुष्पवर्षा की परंपरा भी निभाई जाएगी। उन्होंने ने इस परंपरा के तहत आरती एवं पुष्पवर्षा की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया।मुलाकात के दौरान पंचकोसी परिक्रमा क्षेत्र में माता दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना को लेकर दुर्गा पूजा समितियों के सामने आने वाली समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

समिति पदाधिकारियों ने विभिन्न समितियों की समस्याओं से मेयर को अवगत कराया।मेयर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि जल्द ही सभी दुर्गा पूजा समितियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में समितियों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस संबंध में उन्होंने ने केंद्रीय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल से भी बातचीत की।

अयोध्या में भाजपा को प्रत्याशी नहीं मिल रहा, सीएम खुद वहां से लड़कर दिखाएं –अखिलेश यादव

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद तीसरी बार पहुंचे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर से दूरी बरकरार रखी। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अयोध्या विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के प्रत्याशी पवन पाण्डेय के कृष्णापुर आवास पर भागवत कथा का श्रवण किया।

अयोध्या में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मीडिया से कहा कि जब से हमने अयोध्या में अपनी पार्टी का प्रत्याशी घोषित किया है, भाजपा सर्वे पर सर्वे करा रही है। उन्होंने कहा कि हमको पता है कि हर सर्वे में भाजपा पीछे छूट जा रही है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि सुनने में आ रहा है कि अयोध्या में भाजपा को नया प्रत्याशी ही नहीं मिल पा रहा है।

अखिलेश यादव के कहा कि अयोध्या में विकास के बड़े–बड़े दावे करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अगर इतने ही आश्वस्त हैं तो खुद अयोध्या से चुनाव लड़कर दिखाएं। उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ को अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती दे डाली। उन्होंने कहा कि दूध का दूध और पानी का पानी करने का झूठा दावा करने वाले का श्पानीश जनता उतार देगी। इस बार अयोध्या ही नहीं, पूरे प्रदेश की जनता श्धनश चुराने वालों को नहीं बख्शेगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की सरकार बनने पर अयोध्या के विकास को गति देंगे। सपा की सरकार में भेदभाव नहीं होगा। सुनिश्चित करेंगे कि अयोध्या के विकास का अधिकांश फायदा अयोध्या के लोगों को मिले, बाहरियों को नहीं। जैसे समाजवादी पेंशन दी थी, वैसे ही हर वर्ष महिलाओं को 40000 रुपये देंगे। अयोध्या की पहचान को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए जो भी करना होगा, हमारी सरकार आने पर हम करेंगे।

अखिलेश यादव ने कहा कि ये प्रभु श्री राम की जन्मस्थली है। सभी हरि भक्त मिलकर जय राधे–श्याम कह रहे हैं। यही खूबसूरती है। मैं सोच रहा था कि अयोध्या जाकर किन बात को रखूंगा। हम बचपन से रामायण–महाभारत सुनते हैं। हमारे लिए प्रभु श्री राम ही प्रभु श्री कृष्ण हैं। कथा मन और मनोबल को बढ़ाती है। भागवत कथा सीख देती है। सत्ता की एजेंसियों को सीखना चाहिए कि प्रेम, दया और अपनापन ही सबसे बड़ा धर्म है।

अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए अयोध्या विधानसभा सीट से पवन पाण्डेय को अपनी पार्टी का प्रत्याशी घोषित किया है। उन्होंने करीब दो महीने तेज नारायण पाण्डेय 'पवन पाण्डेय' के नाम की घोषणा की थी। अखिलेश यादव गुरुवार को पवन पाण्डेय के आवास पर भागवत कथा में शामिल होने पहुंचे थे।

नाना पाटेकर के निधन पर बोले सांसद रवि किशन,आज हमने एक नट सम्राट खो दिया

संवाददाता–गोरखपुर। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर गोरखपुर सांसद और अभिनेता रवि किशन ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि उनसे मेरा आत्मीय संबंध रहा है। उनका जाना मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बड़ी छवि है। उनसे मेरी समय–समय पर बात होती रहती थी। उन्होंने कहा कि नाना पाटेकर ने आखिरी बातचीत में कहा था कि गोरखपुर आऊंगा तो मुझे घुमाना।

नाना पाटेकर जी के निधन की अत्यंत दुखद खबर सुनकर मन बहुत व्यथित है। स्टार होते हुए भी स्टारडम से कोसों दूर रहने वाले नाना जी भारतीय सिनेमा के उन महान कलाकारों में थे, जिनकी पहचान उनकी सादगी, सहजता और मिट्टी से जुड़े व्यक्तित्व से थी। मुंबई की चकाचौंध में रहते हुए भी उन्होंने अपनी जड़ों और संस्कारों को कभी नहीं छोड़ा। नाना जी से मेरा आत्मीय संबंध रहा। समय–समय पर उनसे बातचीत होती थी। उनके अभिनय, सादगी और जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण से मैंने बहुत कुछ सीखा। वे हमेशा स्नेह और प्रोत्साहन देते थे। उनका जाना मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से भी एक बड़ी क्षति है।

नाना पाटेकर जी का निधन भारतीय फिल्म जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उनकी कला, सादगी और स्मृतियाँ सदैव हमारे बीच जीवित रहेंगी। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिवार एवं सभी चाहने वालों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। सांसद ने कहा कि वे स्टारडम से दूर रहने वाले कलाकार थे। वे भारतीय सिनेमा के उन महान कलाकारों में थे, जिनकी पहचान उनकी सादगी, सहजता और मिट्टी से जुड़े व्यक्तित्व से थी। मुंबई की चकाचौंध में रहते हुए भी उन्होंने अपनी जड़ों और संस्कारों को कभी नहीं छोड़ा। उनके अभिनय, सादगी और जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण से मैंने बहुत कुछ सीखा। वे हमेशा स्नेह और प्रोत्साहन देते थे।

रानी लक्ष्मीबाई पार्क में कांग्रेसियों ने मनाया 'काला दिवस'

संवाददाता–गोरखपुर। राजीव दत्त पाण्डेय 'लोकतंत्र बचाओ' के मुद्दे पर कांग्रेसियों ने गुरुवार को रानी लक्ष्मीबाई पार्क में 'काला दिवस' मनाते हुए धरना–प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश तिवारी और महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद की अध्यक्षता में हुए प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग के खिलाफ विरोध जताया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और चुनावी व्यवस्था की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने प्रदेश, जिला और ब्लॉक स्तर पर आठ अक्तूबर को व्यापक विरोध प्रदर्शन करने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में गोरखपुर में जिला अध्यक्ष राजेश तिवारी एवं महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद की अध्यक्षता में प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग से जवाबदेही की मांग को लेकर दिल्ली में शांतिपूर्वक आगे बढ़ रहे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और इंडिया ब्लॉक के सांसदों

के साथ बलपूर्वक व्यवहार किया गया। पार्टी ने इसे लोकतंत्र और संविधान पर हमला बताते हुए आठ अक्तूबर को 'भारतीय लोकतंत्र के लिए काला दिवस' घोषित किया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर पार्टी लगातार आवाज उठाती रहेगी। स्पष्ट किया है कि चुनावी व्यवस्था की अखंडता बहाल होने तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन में दिलीप कुमार निषाद, अनवर हुसैन, तसलीम आलम अंसारी, डा. सैय्यद जमाल अहमद, सुहेल अंसारी, राकेश यादव, जावेद जमा अंसारी, उज्जैर खां, ई. रजनीश मिश्रा, डा अविनाश त्रिपाठी, गुलाम ताहीर, धर्मराज चौहान, सदानन्द पाण्डेय, अमित कुमार, अनवर हुसैन, मसरूर आफिज, अजीबुद्दीन अंसारी, आफताब अहमद, साबाद अहमद, रूदल अंसारी, मेहंदी हसन नौसाद अली, समसाद, तसलीम आरिफ, इजहारूदीन हैदर अली, जिसान अहमद, मो फैज, अमीर अली, असीरूदीन, वसीम अहमद, मो. सलीम, समसाद अहमद, जाहिद अहमद, फकरूदीन अंसारी, मो. आमीन अंसारी समेत काफी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित हुए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर से निर्गत बी.एड. प्रथम वर्ष अनुक्रमांक **23236150210079** वर्ष **2022** का अंक पत्र खो गया है।

(साक्षी त्रिपाठी)
पुत्री– आशुतोषमणि त्रिपाठी
मो. महरीखांवा, जनता होटल के पीछे पोस्ट– गांधीनगर
जनपद बस्ती (उ.प्र.)।

दुर्गा पूजा–दशहरा पर प्रशासन अलर्ट, डीजे की आवाज से लेकर भीड़ और ट्रैफिक तक, आयोजकों को दिए निर्देश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। धर्मसिंहवा में दुर्गा पूजा और दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक हुई। इसमें एसडीएम, क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष और नगर पंचायत धर्मसिंहवा के अधिशाषी अधिकारी ने पूजा आयोजकों और डीजे संचालकों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा–निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक में अधिकारियों ने पूजा समितियों के आयोजकों से सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देने को कहा। पंडाल और आयोजन स्थल पर आने वाली भीड़ को देखते हुए जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी स्थिति में अव्यवस्था न हो और श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना न करना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। अधिकारियों ने आयोजन स्थलों पर भीड़ नियंत्रण और साफ–सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा। पूजा और दशहरा कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए आयोजकों को पहले से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न हो, इसका भी ध्यान रखने को कहा गया। पूजा पंडालों और कार्यक्रम स्थलों पर बिजली व्यवस्था को लेकर भी सतर्कता बरतने को कहा गया। अधिकारियों ने आयोजकों से सुरक्षित विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की, ताकि त्योहार के दौरान किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने पर भी जोर दिया गया। दुर्गा पूजा और दशहरा के दौरान बढ़ने वाले यातायात को देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने आयोजकों से अपील की कि सड़क और सार्वजनिक रास्तों पर अनावश्यक भीड़ या जाम की स्थिति न बनने दें। श्रद्धालुओं की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस–प्रशासन का सहयोग करने को कहा गया। बैठक में डीजे संचालकों को भी स्पष्ट निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि डीजे का संचालन तय नियमों के अनुसार ही किया जाए। आवाज की निर्धारित सीमा का पालन हो और ध्वनि से आम लोगों को परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

चुनावी तैयारी में जुटा यूपी पुलिस का सिपाही होगा बर्खास्त, ड्यूटी से गैरहाजिर, सपा के मंचों पर दिखा

संवाददाता–गोरखपुर। डॉयल–112 में तैनात रहे सिपाही श्याम सुंदर चौहान के खिलाफ विभागीय जांच पूरी हो गई है। एसपी क्राइम की जांच में सिपाही को दोषी पाया गया है। अब उसके खिलाफ बर्खास्तगी की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसएसपी ने दोषी सिपाही के बर्खास्ती की फाइल की जांच एसपी ट्रैफिक को सौंपी है। जांच पूरी होने पर रिपोर्ट शासन में भेज दी जाएगी। दरअसल, श्याम सुंदर पर लंबे समय तक ड्यूटी से गैरहाजिर रहने के साथ राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने के आरोप थे। वह संतकबीर नगर की धनघटा विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा था। सपा के कार्यक्रमों में मंच साझा करने और सोशल मीडिया पर पार्टी के समर्थन में पोस्ट करने की तस्वीरें व वीडियो भी सामने आए थे। मामले में पुलिस विभाग ने पहले उसे निलंबित किया था।

श्याम सुंदर चौहान 1994 बैच का सिपाही है और मूल रूप से संतकबीर नगर के महुली थाना क्षेत्र के नैना झाला गांव का रहने वाला

है। वर्ष 2023 में कुशीनगर से तबादले के बाद उसकी तैनाती गोरखपुर डॉयल–112 में हुई थी। आरोप है कि वह लंबे समय तक ड्यूटी से गैरहाजिर रहकर धनघटा विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहा। करीब तीन महीने पहले अधिकारियों को इसकी जानकारी हुई तो उसे निलंबित कर दिया गया। निलंबन के बाद भी उसने पुलिस लाइन में आमद नहीं की। उसके सपा के कार्यक्रमों में शामिल होने और चुनावी तैयारी करने की जानकारी सामने आई। मामला सामने आने के बाद सिपाही की लंबे समय तक गैरहाजिरी और इस दौरान उसकी हाजिरी दर्ज होने को लेकर भी सवाल उठे थे। विभागीय स्तर पर यह स्पष्ट नहीं था कि गैरहाजिरी के बावजूद हाजिरी किस स्तर और किस प्रक्रिया से दर्ज होती रही। अधिकारियों को जानकारी मिलने के बाद उसे निलंबित किया गया। निलंबन के बाद गैरहाजिरी का जवाब देने के निर्देश दिए गए, लेकिन वह वहां भी नहीं पहुंचा। श्याम सुंदर की राजनीतिक सक्रियता सोशल मीडिया पोस्ट से लेकर सपा के कार्यक्रमों तक नजर आई। उसके कई पोस्टर में लाल टोपी के साथ तस्वीर और नाम के आगे 'सिपाही' लिखा था। धनघटा में सपा के बूथ अध्यक्षों, जोन प्रभारियों और सेक्टर प्रभारियों की समीक्षा बैठक में भी उसने मंच से संबोधन किया था। उसने खुद को 'श्याम सुंदर चौहान सिपाही' बताते हुए संगठन को मजबूत करने की बात कही थी। सपा नेताओं के स्वागत से जुड़े पोस्ट भी उसके सोशल मीडिया अकाउंट से सामने आए थे। वह धनघटा से पार्टी टिकट की दावेदारी को लेकर क्षेत्र में लोगों से संपर्क भी कर रहा था।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को कांग्रेस कमेटी जलालपुर के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन ब्लॉक परिसर स्थित शहीद स्मारक से शुरू होकर सराय चौक, यादव चौराहा और जलालपुर कोतवाली मार्ग से होते हुए ब्लॉक परिसर में पहुंचकर समाप्त हुआ। ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार अग्रहरि और बृजेश सिंह यादव के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान जिलाध्यक्ष केके यादव पुतला फूंकने का प्रयास कर रहे थे, तभी कोतवाली प्रभारी अजय प्रताप सिंह यादव और अन्य पुलिसकर्मियों ने पुतला छीन लिया और अपने साथ ले गए। जिलाध्यक्ष केके यादव ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मतदाता के मताधिकार की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े किसी भी कदम को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठाती रहेगी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान किसी भी पात्र मतदाता का नाम प्रभावित नहीं होना चाहिए। उन्होंने चुनाव आयोग से एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रही आशंकाओं को दूर करने और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शन में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सुनील मिश्रा, अधिवक्ता सुनील सिंह, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी आलोक पाठक, जिला महासचिव अमरनाथ यादव, सोशल मीडिया प्रभारी हमेश बिहारी यादव, अनुशमा, जिला सचिव सुशील गौतम, राकेश कुमार, प्रसन्नी बाल मास्टर, दुर्गा यादव, रामसहाय, इमरान गांधी, अकबरपुर ब्लॉक अध्यक्ष जियाउद्दीन अंसारी, सुर्तिजा हुसैन, रमेश वर्मा, राजेश पाल, प्रमोद वर्मा और पूर्व सभासद जयकेश वर्मा समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार अग्रहरि ने प्रदर्शन में शामिल सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। इस मौके पर कृष्ण तिवारी, राजनाथ, नातिम रजा, राम अचल, अनीश मोहम्मद और विवेक शुक्ला समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–T 202617650317441
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

वासदेव
बनाम
रामकुमार आदि

1. राम कुमार पुत्र जोखू 2. महेश 3. रामनेवास 4. सुग्रीव 5. दिनेश पुत्रगण रामनाथ 6. रामचन्दर 7. अखिलेश पुत्रगण भोला 8. प्रानदेई पत्नी भोला 9. रमेश पुत्र रामधनी 10. कोइला पत्नी रामधनी निवासीगण ग्राम कैथवलिया तप्पा घोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
11. ग्राम सभा कैथवलिया जरिये ग्राम प्रधान कैथवलिया मेंहदावल संतकबीरनगर
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 30–10–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 06 माह 10 सन 2029 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–321900/2025
अदालत– श्रीमान तहसीलदार न्यायिक सदर बस्ती जिला–बस्ती

सरिता पाण्डेय
बनाम
संजय

1. सरिता पाण्डेय पत्नी विनय कुमार साकिन बकैनियादीप तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 2. संजय कुमार पुत्र परमात्मा प्रसाद साकिन बकैनियादीप तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 13–10–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 13 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 08 माह 10 सन 2029 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत– श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–C202617000000876

चन्द्रबली
बनाम
कोइली आदि

1. कोइली पत्नी स्व0 लालसा 2. राजू 3. राकेश 4. मुकेश 5. उमेश पुत्रगण लालसा साकिनान सूपाराजा तप्पा हाटा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 6. श्रीमती मालती पत्नी चन्द्रशेखर 7. सत्यजीत पुत्र चन्द्रशेखर 8. राजकुमार पुत्र चन्द्रभान 9. चन्द्रभूषण पुत्र राम आसरे साकिनान सूपाराजा तप्पा हाटा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 15–10–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 15 महीना 10 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 07 माह 10 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल निगरानी सं0–40/2026
मूलवाद सं0–133/2000

श्रीमती अनीता चौधरी
बनाम
सावित्री देवी (मृतक) आदि

1. सावित्री देवी (मृतक) 2. प्रकाश चन्द्र उम्र लगभग 72 वर्ष 3. कैलाश चन्द्र उम्र लगभग 70 वर्ष पुत्रगण बाल कृष्णलाल श्रीवास्तव निवासीगण मौजा अमहट उर्फ बैरिहवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
–रेस्पान्डेन्ट/ वादीगण

तारीख पेशी 02–11–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 02 महीना 11 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–258/2025

रामकृष्ण
बनाम
भानु प्रकाश आदि

1. भानु प्रकाश (मृतक)
1/1 राकेश पाण्डेय (मृतक)
1/1/1 नीलांश 1/1/2 अनुराग पुत्रगण स्व0 राकेश पाण्डेय 1/1/3 पदमावती बेवा स्व0 राकेश पाण्डेय
1/2 राजेश पाण्डेय पुत्र भानु प्रकाश
1/3 आरती बेवा स्व0 भानु प्रकाश
1/4 किरन पुत्री स्व0 भानु प्रकाश साकिनान मौजा महरीखांवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षीगण प्रथम वर्ग
2. प्रेमनरायन 3. रूद्रप्रकाश 4. मनीष पुत्रगण चन्द्रकान्त साकिनान मौजा महरीखांवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 22–10–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 22 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 28 माह 09 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–396/2025

राम सुन्दर
बनाम
शैलेन्द्र सिंह आदि

1. शैलेन्द्र सिंह उम्र लगभग 55 साल पुत्र शिव प्रताप सिंह साकिन बड़ोखर हाल मुकाम भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती
–विपक्षी/प्रतिवादी सं0 1/2
2. अनुपमा सिंह उम्र लगभग 50 साल पत्नी गोपाल सिंह निवासी मोहल्ला डाकखाना कटरा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती –विपक्षी/प्रतिवादी सं0–2

तारीख पेशी 24–11–2026

चूंकि उपरीनामांकित वादी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 11 के 24 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–1054/93

रामयज्ञ आदि
बनाम
रामदास आदि

5/4/1 श्रीमती मालती उम्र लगभग 58 वर्ष पत्नी महेश कुमार 5/4/2 अमन उम्र लगभग 38 वर्ष 5/4/3 प्रमोद उम्र लगभग 35 वर्ष 5/4/4 विनोद उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्रगण महेश कुमसा साकिनान मौजा विश्नोहरपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 16–10–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 16 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0– 114/2025
मूलवाद सं0–108/2003

परमेश्वरदत्त (मृतक) आदि
बनाम
जगदेव (मृतक) आदि

1/1/1 रामनरायन उम्र करीब 48 वर्ष 1/1/2 रामनरेश उम्र करीब 46 वर्ष पुत्रगण जगदेव 2. रामसूरत उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र जगदेव निवासीगण मौजा करमहिया तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 21–11–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 21 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com